An Initiative of Trainee Inspectors of 2005 Batch at DTRTI, Chandigarh

Inside this issue:

Message from the Director	1
Inspectors-Pillars of Income Tax Departmet	1
टोपी का महत्व	3
एक प्रशिक्षु का चंडीगढ़ अनुभव	3
विभागीय परीक्षा से खौफजदा इंस्पेक्टर	4
बाकी सब ठीक ठाक है	4
How to recruit the right person	4
Profiles of Partici-pants Inspectors	6, 7
History of DTRTI	8

Patron :
Mrs. Neeraj Vinay Bansal, DIT

Convenor :
Sh. R. K. Meena, ADIT

Editor in Chief :
Sh. Rajeev Kumar

Editors:
Sh. Shakti Singh
Ms. Mary J. Xess

Message from The Director

Mrs. Neeraj Vinay Bansal
Director DTRTI

It gives me immense pleasure to hear that "Udaan" is the first ever news-letter launched by the trainees at DTRTI Chandigarh. The trainees are newly appointed Inspectors and the effort made by them in this direction is commendable.

Ours is a knowledge driven department. The challenges of such a department are many. It is well known that knowledge can fast become obsolete and there is a continuous need for upgradation. Secondly, there is need for ability to detect evasion of income, devise strategies for achieving tax compliance and improving internal efficiency and efficacy.

With this strong conviction, a 60 days training was therefore started with an idea of imparting all round knowledge for better understanding of the working of the department and benefiting from the vast experiences of learned seniors and visiting faculty.

I eagerly wait for this small sapling planted by DTRTI Chandigarh to grow into a banyan tree of wisdom and vision in the years to come.

Inspectors—Pillars of Income Tax Department

The history of Inspectors in the department goes way back to 1952 when the directorate of Investigation came into existence and Inspectors were declared as an Income Tax Authority. The fact is indicative that with the birth of Investigation wing, Inspectors too were born and empowered to sustain its existence. Today the investigation unit is the most feared wing of the department for tax evaders and the Inspectors who are considered eyes and ear of the department have been instrumental to build it so.

The role of department has substantially increased with growing economy. The Direct Tax Collection which was Rs. 104000 crore in 2003-04 is now at Rs. 338212 crore. The collection figures are commendable but also create a fear within us, whether we will be able to sustain the progression or not. Yes we will. You, the trainees at DTRTI, Chandigarh are all extremely talented and sincere. My advise to you all is "Find yourself and be yourself. Remember there is no one else on earth like you. Nobody is so miserable as he who longs to be somebody and something other than the person he is in body and mind." We will stand the test of appeals, if you are with us, as you are. My heartiest wishes are there for you, for your bright and successful future. Always remember 'with more power comes more responsibility'.

Priscilla Singsit
Addl. CIT, DTRTI

Industrial Visit to Swaraj Mazda, Ropar

On 11th June 2009, an industrial visit to Swaraj Mazda manufacturing unit at Ropar was organised.

The newly recruited inspectors were greeted by the GM Shri. S.R. Agarhari. The team was sub-divided into four groups, each group was escorted and briefed by experienced engineers about the manufacturing process of truck and buses. It gave a fair idea of industrial operations, administrative set-up and financial structure of a big manufacturing unit like Swaraj Mazda.

Definitely this exposure will help the inspectors in the search and survey operations of industrial units.

Country Presentations

An inspector is the eye, ear and face of the department. To give an impressive view of this face it is important that an inspector should have a well groomed personality.

The country presentation is a method of developing public speaking skills. This exercise gave opportunity to the inspectors to speak about themselves and the places to which they belonged.

The newly recruited inspectors were encouraged by the presence and words of eminent guests like CCIT-CCA, Shri. P.K. Chopra, DGIT(Inv.) Shri. M.S. Rai, CCIT Shri. Y.K. Gaiya.

On The Job Training (OJT)

A special thanks to DTRTI for giving an opportunity to have a first hand experience of departmental working. During 4 days of OJT ,i.e., from 22nd June to 25th June the participants were divided into 4 groups and were sent to different sections of the department, namely, DIT (Inv.), CIT-II, TDS and ITAT.

The first day of OJT began with DIT(Inv.) where we were mentored by ACIT Shri. Abhishek Pal Garg. A brief overview was given about the role of inspectors in search and seizure proceedings.

23rd June was a day at CIT-II with Shri. A.K. Kaushal, CIT. Here office procedure relating to assessment, administration, appeals, registration of trusts etc were explained.

In TDS, Shri. Rajeshwar Yadav, Addl. CIT briefed about preparation of preliminary reports, scrutiny reports and method of survey of TDS cases.

The day at ITAT was quite enlightening as Shri. Vivek Aggarwal, ACIT told us about the functioning of ITAT. A golden opportunity of watching the proceedings at the ITAT bench was also provided.

मॉ सरस्वती वन्दना

हे कमलवासिनी,ज्ञानदायिनी माता ।
सद्गुण,तीनो जग मे विख्यात।। (1)

हे मंगलकारिणी, हंसगामिनी माता।
तू ही अतुल ज्ञान प्रदाता,तिमिर ना''ा कर्ता।। (2)

हे ममतामयी, वेद ज्ञान प्रदायिनी माता।
गुण–ज्ञान भर, ज्ञान–चक्षु दे माता।। (3)

हे दुखहारिणी,हितकारिणी माता।।
तेरी ''ारण मे आने वालों का, तु ही उद्धारकर्ता।।
(4)

हे श्वेतपद्मासना,''ुभ्रवस्त्रधारिणी माता ।
तु ही ज''ा के मोहपा''ादुरकर्ता, सद्मार्ग
प्रद''िता।। (5)

हे महागामयी, चन्द्रवदनि माता ।
तेरी तेज से तीनों देव सदा वन्दिता ।।

हे प्रेमसुधा बरसानेवाली,वात्सल्य प्रदायिनी माता।
जगवासी के अज्ञानरूपी क्ले''ा दुरकर्ता, निष्काम कर्म
की ''िक्षा प्रदाता ।। (7)

हे मॉ ! अपनी बुद्धि का चरण दे।
''ीष झुका है अपना चरण दे ।। (8)

सुमन कुमार झा
दिल्ली

लापता की तला''ा

मेरे प्यारे पुत्र जिगर के टुकड़े
''घसीटा''
मुझे बहुत अफसोस है कि कल रात
मैंने तुझे पीटा।
मेरे बेटे जहॉं–कहीं भी हो गम को खा
जाओ,
लौट कर फौरन तुम घर को आ जाओ
।
पैसे ना हो तो किसी की जेब मार
लेना,
लखनऊ का टिकट कटाकर बाकी बचे
चाट लेना ।
मेरे लाल! घर का चौपट हो गया है
हाल,
तेरी मॉं गम से निढाल, बहुत रोती
है ,
सिवा व्हिस्की के और कुछ नही पीती
है ।
मै भी डनलप पर पड़ा हुआ हूँ,
खाना–पीना छोड़कर जूस पर जी रहा हूँ ।
मेरे राजा घर का खूब बज रहा है
बाजा,
अड़ोसी–पड़ोसी रिश्तेदार रोज आ रहे
है,
उन्हें तेरे जाने का गम नही मुझ को
तो ज्यादा खा रहे है ।
जो भी सज्जन मेरे बेटे का पता
लगायेंगे
पुलिस वाले उनके घर का चक्कर
लगायेंगे ।
इस लिये बेटा समझदार है आ जायेगा
अपने आप,
बीच में टॉंग ना अड़ायें आप,
बेटे के इन्तजार मे उसका बाप ।

सुके''ा
सभरवाल दिल्ली

टोपी का महत्व

टोपी मे गुन बहुत है सदा राखिये संग।
पहन के टोपी चले बराती खूब जमावें रंग।।
खूब जमावें रंग, दूर कबहूँ न कीजै।
जहाँ धूप हो तेज, तुरन्त सर पे रख लीजै।
कह सीपी कविराय सुना ये भैया गोपी।
फै''ान का है दौर, तु सर पै रखा टोपी ।।

चन्द्र प्रका"ा लुधियाना

हम कितना जीवित रहे, इसका नहीं महत्व ।
हम कैसे जीवित रहे, यही तत्व अमरत्व ।।
ज्ञानी हो फिर भी न कर दुर्जन संग निवास ।
सर्प सर्प है, भले ही मणि हो उसके पास ।
बेकल हूँ कैसे मिले भगवन तेरा ज्ञान ।
तुझे छोड़कर ध्यान मे सब कुछ आता ध्यान ।।
छोटी मछली बड़ी का सदा रही आहार ।
सिर्फ ''ाक्ति के सामने झुकता है संसार ।।

निकुंज गोयल, दिल्ली

एक प्र''ाक्षु के चण्डीगढ अनुभव

"हमारा प्र''ाक्षण एक ऐसे षहर मे हो रहा है जो कि सही में 'सिटी ब्यूटीफुल' है । चौड़ी साफ सड़के, खूबसूरत फव्वारेदार चौराहे यह अनुभव कराते है कि जैसे हम किसी प''चमी देष मे हो । भीड़–भाड़ वाली राजधानी दिल्ली से यहाँ आकर सुकून का अहसास हो रहा है । प्र''ाक्षण के दौरान आयेजित कंट्री प्रजेन्टे"न्स न सिर्फ प्र''क्षण को रुचिकर बनाया बल्कि दे"ा के अनेक छोटे–छोटे स्थानो के प्रति हमारा ज्ञानवर्धन किया ।

समस्त प्र''ाक्षु औद्योगिक भ्रमण हेतु रोपड़ स्थित स्वराज माजदा कंपनी के कारखाने गये जहाँ बसो एंव ट्रको को बनते हुए देखना एक रोचक एवं सुखद अनुभव था । षहर मे देखने हेतु रोज गार्डन, रॉक गार्डन, मंसा देवी मन्दिर, चण्डी मन्दिर, गुरुद्वारा नाडा साहिब, जैसे अनेक स्थान है। सुखना झील एवं पिंजौर के यादविन्द्रा उद्यान का प्राकृतिक सौन्दर्य मंत्र–मुग्ध कर देता है । संस्थान ने हमे संग्रहालय भ्रमण के लिये भी भेजा जहाँ हमने इतिहास एवं कला से सम्बन्धित अमूल्य कृतियो को देखा । इन्ही किया कलापों मे कब हमारी प्र''ाक्षण आधा समाप्त हो गया हमे पता ही नहीं चला ।

संतोष गुप्त, दिल्ली

An African Boys' Dilemma

Written by an African Kid, the following poem was nominated for the best poem of 2005:-

When I love, I black
When I grow up, I black
When I go in Sun I black
When I scared, I black
When I Sick, I black
& when I die, I still black.
& you white fella.....
When you born, you pink.
When you grow up, you white.
When you go in sun, you red.
When you cold, you blue.
When you scared, you yellow.
When you sick, you green.
& when you die, you gray.
& you have the guts to call me coloured?

Ankit Jain
Amritsar

हम ह्रदय में प्रीति व प्रतीति पालते रहे ।
वे सदैव दूध में दरार डालते रहे ।

प्यास को हमारी घूँट भर भी जल मिला नहीं
और वे गिलास में "ाराब डालते रहे ।

तलहटी में डूब–डूब लाए, कंकड़ी कहें,
वे खड़े किनारे, मोतियां निकालते रहे ।

आगमन के जिनके पॉवड़े बिछाये हम रहे,
पत्थरों को वो हमारे सर उछालते रहे ।

हम तो वो रहे कि मिट गये उन्हीं की चाह में,
और वे हमें सदैव दूर टालते रहे ।

(सन्तोष कुमार यादव) अमृतसर

इतिहास परिक्षा

इतिहास परिक्षा थी ।
मेरा दिल धड़कता था ।
जब से हुई थी सुबह ।
मेरा बाया नयन फड़कता था
जब मै पहुँचा परिक्षा कक्ष मे ।
तो एक सीट खाली थी ।
मै तो उस पर बैठ गया ।
दुखो की आज दिवाली थी ।
प्र"न पत्र पर नजर पड़ते ही ।
सारा बदन पसीना था ।
फिर भी मै ना घबराया ।
आखिर यह मेरा सीना था ।
प्र"नो के कुछ बरगद पर ।
मैने कलम कुल्हाड़ी दे मारी ।
बस घण्टे भर मे मैंने सारे प्र"नों के उत्तर दे डाले ।
बाबर था अकबर का बेटा ।
यह वायुयान से आया था ।
उसने ही तो हिन्द महासागर, अमेरिका से मँगवाया था ।
अ"ोक था होटल का मालिक ।
यह ताज महल मे रहता था
ए अंग्रेजो भारत छोड़ो ।
यह लाल किले से कहता था
सब को झाँसा देती थी,
ऐसी थी झाँसी की रानी । अशोक के होटल मे प्राय: खाया करती थी बिरयानी ।
इसी तरह मैने प्र"नों के पापड़ बेल दिये
और टीचर की तरफ छक्के किये ।
इससे भी होना क्या था,
मेरे इतिहास का भूगोल हुआ,
मेरा नम्बर गोल हुआ ।

तारा चन्द, दिल्ली

दिये जलाए थे जो रो''ानी पाने के लिये,
आज तैयार है वो आग लगाने के लिए ।

बस्तियां चांद–सितारों पे बसाने वालों,
चांद तारे हैं, आसमां को सजाने के लिए ।

दोस्ती दु"मनी से भिन्न हुआ करती थी,
अब तो मिलता ही नहीं, फर्क बताने के लिए।

तुमको वि"वास भले ना हो अँधेरे भर का,
जिन्दगी पाई है, तकलीफ उठाने के लिए ।

समय के साथ, आप सोच समझकर चलिए,
लोग तैयार हैं, दुनियां को मिटाने के लिए ।

(संदीप गिरी), अमृतसर

विभागीय परिक्षा से खोफजदा इंस्पेक्टर की प्रार्थना

हे प्रभु! इस दास की इतनी विनय सुन लिजिए
मार ठोकर नाव मेरी बस पार कर दिजिए
मै नही डरता Reci,Search और Survey के तुफान से
रूह मेरी दहलती है इतिहास के दौर से
पी गयी Act की भाषा मेरी खोपडी के खून को
पर समझ ना पाया उस भाषा की टेढी चाल को
जब जब समझने की कोशिश करता Provided अड़गा लगाता है
पंगा से कम आता है
Provided पार पाता हूँ तो Not withstanding पंगा ले के आता है
कौन है Resident,कौन Not Resident और कौन ordinarily Resident
इतना पढता, पढ–पढ के घोटता पर अब तक ना हुआ confident

राम रामी, राम रामी हाय प्यारे अधिनियम
हु न आया रट के मर गया मै फेंकम् ।

Tax Calculación के अतिरिक्त मुझे और कुछ भाता नही,
क्या करूँ Tax - Slab और Rate भी मै याद रख पाता नही

रात को मच्छर है कहता वो भी मेरे कान मे
होश से बैठना बेटे इस बार इम्तहान मे

हे प्रभु! इस भक्त को carry-forward करा दो
कर के Set-Off मुझे बस पास करा दो

फिर तो तेरे सारे Income को मै Exempt करवाइयेगा

Exempt ना हुआ तो Deduction जरूर दिलाउँगा

थोडी सी दया कर दयानिधि कि मै पास कर जाऊँ
पास करके सचमुच मे अपना नाम "रोशन" कर जाऊँ

रा न न कुमार गुप्ता
न्यू-दिल्ली

HOW TO RECRUIT THE RIGHT PERSON FOR THE JOB?

Put about 100 bricks in some Particular order in a closed Room with an Open window.

Then send 2 or 3 candidates in the room and close the door.

Leave them alone and come back after 6 hours and then analyze the situation.

If they are counting the Bricks. Put them in the accounts Department.

If they are recounting them.Put them in auditing.

If they have messed up the Whole place with the bricks. Put them in engineering.

If they are arranging the Bricks in some strange order. Put them in planning.

If they are throwing the Bricks at each other. Put them in operations.

If they are sleeping. Put them in security.

If they have broken the bricks Into pieces. Put them in information Technology.

If they are sitting idle. Put them in human resources.

If they say they have tried Different combinations, yet Not a brick has Been moved. Put them in sales.

If they have already left for The day. Put them in marketing.

If they are staring out of the Window. Put them on strategic Planning.

And then last but not least. If they are talking to each Other and not a single brick Has been Moved. Congratulate them and put them In top management.

Bhupinder Parmar
Delhi

"बाकी सब ठीक है"

एक मालिक 'हर से गाँव आने पर अपने नौकर से पूछता है ।

मालिक– और हाल चाल ठीक है ?
नौकर– जी सब ठीक है बस वो आपका कुत्ता मर गया ।
मालिक– कुत्ता कैसे मरा?
नौकर– जी घोड़े की हड्डी खा कर ?
मालिक– क्या घोड़ा भी मर गया?
नौकर– बिना घास के तो कैसे जिया रहता ।
मालिक– पर घास तो मैं रख कर गया था ।
नौकर– जी वो माता जी की चिता मेंऽऽऽ
मालिक– हाय! मेरी माँ को क्या हुआ?
नौकर– वो पोते की याद मे चल बसी ।
मालिक– हाय! हाय! मेरा बेटा भी मर गया !
नौकर– बिना माँ के दूध के तो कैसे रहता ।
मालिक– हाय! मेरी पत्नी गुजर गयी !
नौकर– जी वो तो मकान मे लगी आग मे जल गयी ।
मालिक– तो क्या मेरा मकान भी जल गया ?
नौकर– जी बात कुछ ऐसी ही है ।

अर्चना चतुर्वेदी, दिल्ली

What does INSPECTOR mean?

- I — Intelligent
- N — "No to nothing" attitude
- S — Smart
- P — Patient
- E — Educated
- C — Courageous
- T — Trained in all activities
- O — Open to new thought
- R — Reasonable

-Amitabh Kumar, Delhi

Profile of Trainee Inspectors

Nikunj Kr. Goyal
PRO, Delhi
9717265985

Roshan Kr. Gupta
DIT(TP), Delhi
9312062141

Mary Jagrani Xess
CIT-III, Delhi
9871102658

Rajiv Lochan
o/o CCIT, Shimla
9218847122

Bhupinder Parmar
CIT-XIV, Delhi
9015859738

Tara Chand
CIT X, Delhi
9312969624

Prem P. Bhardwaj
CIT, Jammu
9906169660

Vimal Madan
CIT III, Ludhiana
09779343648

Shakti Singh
Amritsar
09888420201

Santosh K. Yadav
Amritsar
09780950432

Sandeep Giri
Amritsar
09870259014

Ankit Jain
Amritsar
09897324237

Ashok Kumar
CIT, Jammu
9858644210

Suman Kr. Jha
DG(EXMP), Delhi
9911611950

Chandra Prakash
CIT II, Ludhiana
09779964008

Ajay Kumar Kalra
CIT II, Chandigarh
09888381244

Karamvir
CIT I, Chandigarh
09780930640

Manish Yadav
Delhi
09313145152

Har G. Prasad
ITO, Baddi (HP)
09805028379

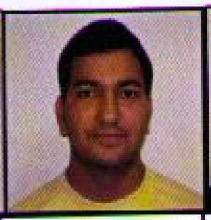
Suraj Yadav
CIT (TDS), Shimla
9212040305

Arun Kumar
ITO, Solan (HP)
9805043834

Amarjeet Sahu
CCIT IV, Delhi
09278206461

Manas K. Kayal
CCIT IX, Delhi
9015035810

Vinay Kumar
CIT VIII, Delhi
9990140001

Vinod Kumar
Shimla
9218834588

Rajneesh Bhatia
Chandigarh
9212496931

Devender Singh
CCIT, Ludhiana
9020936334

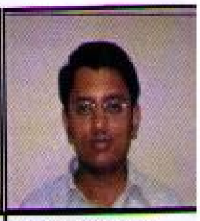
Rakesh Sharma
Circle40(1), Delhi
9272320728

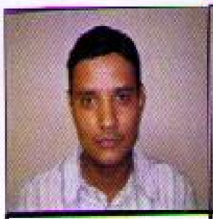
Amit Chaudhary
Chandigarh

Raj Singh
Shimla
9736044102

Bhabnath Mishra
Ludhiana
9356347372

Jaswant
CIT, Jammu
9622146365

Jaykant
CIT, Jammu
9858629302

Shailender Singh
DG(EXMP), Delhi
9990752504

Vikram Singh Malik
CIT VII, Delhi
9357341531

Profile of Trainee Inspectors

Joginder S. Gahlot Srinagar 9205126238	Archana Chaturvedi DIT (VIG), Delhi 9990429490	Ganesh Kumar CCIT I, Delhi 9650256166	Pankaj Meena Bathinda 9855330445	Amitabh Kumar DIT (L&R), Delhi 9911627873	Ajay Kumar Rana CIT, Pathankot 9023936354	Mohinder Pal Singh Range 1, Ludhina 9872417644

Profile of Trainee Inspectors

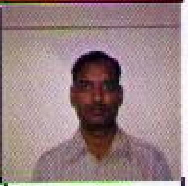

Kulwant Singh Ward II, Shimla 9218786412	Rakesh Gupta Jammu ~~9858598298~~ 9858503293	Sukesh Sabharwal CIT VII, Delhi 9313861524	Rajeev Kumar CIT XII, Delhi 9268755181	Santosh Gupta DG (Sys), Delhi 9873057550	Gaurav Singh CIT IV, Delhi 9911242749	Rajinder Sharma Sunder Nagar 9805091967	Sunder Singh Shimla 9218857682

Officers and Faculty at DTRTI

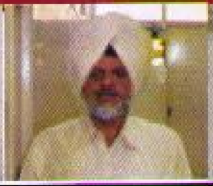

Ms. Priscilla Singsit Add. DIT, DTRTI Chandigarh	Mr. Amitabh Shukla Add. DIT, DTRTI Chandigarh	Mr. R.K.Meena Asstt. DIT, DTRTI Chandigarh meenark-ila@yahoo.co.in	Mr. S.S.Sempla Deputy DIT, DTRTI Chandigarh	Mr. A.K.Mehta Add. Asstt. Director, DTRTI Chandigarh	Mr. Gurbachan Singh Add. Asstt. Director, DTRTI	Anil Sharma Add. Asstt. Director, DTRTI Chandigarh

Group Photograph at Pegasus Institute, Dehradun.

9310422229
Anuj.

History of DTRTI

DTRTI Chandigarh came into existence vide a notification dated 11.12.03 of the CBDT, It has been mandated to conduct training courses for Group A to Group D officers and officials of Income Tax Department posted in the North Western region and Delhi. DTRTI also exercises supervisory control over Ministerial Staff Training Units (MSTU) located at Delhi and Patiala. DTRTI is headed by an officer of the level of Commissioner of Income Tax.

From Financial Year 2006-07, it has been conducting regular specialized training courses. Currently DTRTI Chandigarh operates from a modest premises in Sector 34. Additionally, DTRTI Chandigarh has a computer lab cum lecture hall located at Central Revenue Building, Sector 17, Chandigarh.

DTRTI Chandigarh has in last two and half years of its regular functioning conducted some 56 number of training courses. A novel practice adopted by DTRTI Chandigarh has been to take training at the door step of the trainee and consequently training courses have been conducted at other locations like Delhi, Amritsar, Ludhiana, Bathinda and Jammu. Eminent personalities from the Department as well as reputed institutions from India and abroad have visited as guest faculty at DTRTI Chandigarh.

R.K.Meena, ADIT
DTRTI, Chandigarh

DIRECT TAXES REGIONAL TRAINING INSTITUTE
SCO 132-133, 3rd FLOOR, SECTOR 34-A, CHANDIGARH-160 022, Tel. : 0172- 2615283, 2620134, Fax :